

कर्महीन वि. (तत्.) 1. अकर्मण्य, निठल्ला 2. अभागा, भाग्यहीन।

कर्मांत पुं. (तत्.) कर्म का अंत, कार्य या कर्म की समाप्ति, कार्य परिपूर्णता।

कर्मा वि. (तत्.) 1. समास युक्त पद के अंत में प्रयुक्त, कर्म वाला, करने वाला। यथा सत्यकर्मा, सुकर्मा, श्रमकर्मा 2. कर्म।

कर्माक्षम वि. (तत्.) जो काम करने में सक्षम न हो, अपितु अक्षम हो, काम करने में असमर्थ 2. जो काम न कर सके 3. निकम्मा।

कर्मिष्ठ वि. (तत्.) जो काम करने में निष्ठा रखता हो, कर्मनिष्ठ, कर्मकुशल।

कर्मी वि. (तत्.) 1. काम करने वाला 2. मजदूर 3. समासयुक्त पद के अंत में प्रयुक्त उदा. सत्यकर्मी, कुकर्मी आदि 4. फल प्राप्ति की इच्छा से धार्मिक कर्म-यज्ञ आदि करने वाला पुं. कारीगर, उद्यमी।

कर्मेन्द्रिय स्त्री. (तत्.) काम करने वाली इंद्रियाँ, (उल्लेख है कि पाँच ज्ञानेन्द्रियाँ हैं तथा पाँच कर्मेन्द्रियाँ- हाथ, पैर, वाणी (जीभ), गुदा और उपस्थ।

कर पुं. (देश.) लाल और पीले फूलों वाला पौधा, इसका फूल 'कसूम' अथवा 'कुसुंभ' कहलाता है।

करा पुं. (तद्.) 1. जुलाहों द्वारा सूत को फैलाकर तानने की प्रक्रिया 2. वि. (देश.) कड़ा, सख्त।

करांना अ.क्रि. (देश.) 1. कड़ा पड़ जाना, सख्त होना, सख्त होने की क्रिया करना 2. 'कर-कर' का शब्द होना, 'कर-कर' का शब्द करना।

कर्री वि. (देश.) कड़ी, सख्त, (करा का स्त्री.)।

कर्बट पुं. (तत्.) 1. गाँव, ग्राम 2. गाँव में लगने वाला बाजार 3. पहाड़ का ढाल 4. जिले का मुख्य स्थान।

कर्वर पुं. (तत्.) 1. पाप 2. राक्षस, व्याघ्र (बाघ) वि. चितकबरा।

कर्ष पुं. (तत्.) 1. खिंचाव, तनाव 2. आकर्षण 3. अस्सी रत्ती वाली एक तोल 4. पुराने जमाने का एक सिक्का, हूण, ताव, जोश 5. जुताई, जोतना, खींचना 6. खरोंच 7. अनिष्ट की आशंका वाला दबाव 2. बड़ेड़ा, फल-विभीतक वृक्ष स्त्री. आमलकी।

कर्षक पुं. (तत्.) 1. कृषक, किसान, जोतने वाला व्यक्ति, खेतिहर 2. वि. खींचने वाला, घसीटने वाला।

कर्षण पुं. (तत्.) 1. खींचने की क्रिया, खींचकर लकीर-बनाना, खिंचाई 2. जमीन जोतना 3. आकर्षण 4. घसीटकर लाना आयु. रोगी के वात, पित्त, कफ को कम करना, घटाना।

कर्षण/विकर्षण पुं. (तत्.) खींचतान (खींचातानी)।

कर्षना स.क्रि. (तद्.तत्.-कर्षण) 1. तानना 2. खींचना 3. बुलाना 4. बटोरना, इकट्ठा करना 5. समेटना।

कर्षिणी स्त्री. (तत्.) 1. खींचने के साधन वाली वस्तु, रस्सी, घोड़े की लगाम वि. स्त्री. 1. घसीटने वाली 2. खींचने वाली 3. जोतने वाली (खेत या भूमि को)।

कर्षित वि. (तत्.) जिसे जोत दिया गया हो, खींचा गया 1. जोता हुआ 2. खींचा हुआ 3. घसीटा हुआ उदा. यह भली-भाँति कर्षित खेत है।

कर्षी वि. (तत्.) 1. वह जो कर्षित करता या जोतता हो, खींचता हो 2. खींचने वाला 3. जोतने वाला (खेत को)।

कलंक पुं. (तत्.) 1. लांछन, बदनामी, दोष 2. धब्बा, दाग, कालिख 3. चंद्रमा पर दिखाई देने वाला धब्बा 4. लोहे का मोरचा 5. पारे की कजली मुहा. कलंक का टीका- बदनामी का दाग, लांछन; कलंक चढ़ाना/लगाना- बदनाम करना; कलंक धोना- अपयश दूर करना; कलंक लगाना- बदनाम होना।

कलंक अंक पुं. (तत्.) 1. कलंक या बदनामी की बात 2. पाप या बदनामी का निशान 3. कलंक या बदनामी का चिह्न।